पाठ - 35A
संचार माध्यम और उनके प्रकार

मुख्य विषय

मानव सभ्यता के विकास में संचार की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। वैसे तो सभ्यता के विकास के साथ ही मनुष्य किसी न किसी रूप में संचार करता रहा है। जब आज की तरह टेलीफोन, इंटरनेट आदि की सुविधाएँ नहीं थीं, तब लोग चिट्ठी लिख कर अपना हाल-समाचार लोगों तक पहुँचाते और दूसरों का समाचार जानते थे। अब संचार की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए तरह-तरह के संचार माध्यमों का विकास कर लिया गया है। जल्दी-से सूचनाएँ पहुँचाने की दुनिया भर में होड़ लगी हुई है। पहले निर्धारित समय पर और एक निश्चित समय के लिए समाचारों का प्रसारण हुआ करता था, अब चौबीसों घंटे देश दुनिया की खबरों के प्रसारण लगातार रेडियो पर और दूरदर्शन के चैनलों में चलते रहते हैं। अत: आज संचार माध्यमों का स्वरूप बदल गया है।

इस पाठ में संचार माध्यम का महत्व, उनके प्रकार, समाचारपत्रों की उपयोगिता , नए संचार माध्यमों, जैसे- इंटरनेट, मोबाइल फोन आदि की विशेषता आदि विषयों के बारे में विस्तार से बताया गया है।

मुख्य बिंदु

1. संचार माध्यमों की आवश्यकता क्यों?

- हर व्यक्ति अपने या अपने संबंधियों की सूचनाएँ जानने के अलावा देश-दुनिया की खबरों के बारे में जानने का इच्छुक होता है। उसके आस-पास क्या हो रहा है, दुनिया में कहाँ क्या घटना घट रही है, सबकी जानकारी प्राप्त करना चाहता है। सूचनाओं की इसी लालसा या उत्सुकता के कारण संचार माध्यमों का लगातार विकास और विस्तार होता गया।
- जो लोग व्यवसाय या किसी व्यापार से जुड़े हैं या शिक्षा संबंधी जानकारी चाहते हैं उनके लिए भी हर पल बाजार में वस्तुओं की कीमतों और शेयरों के उतार-चढ़ाव की खबरें जानना ज़रूरी होता है, दुनिया में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे प्रयोगों के बारे में जानने की जिज्ञासा रहती है। किसानों को मौसम और खेती में इस्तेमाल होने वाली नई तकनीक की जानकारी काफ़ी मददगार साबित होती है।

2. संचार माध्यमों के उद्देश्य

- संचार माध्यमों के मोटे तौर पर तीन उद्देश्य माने जा सकते हैं -सूचना पहुँचाना, मनोरंजन और शिक्षा।

3. संचार माध्यम के प्रकार और उनकी उपयोगिता

(क) मुद्रित माध्यम (ख) श्रव्य माध्यम और (ग) दृश्य-श्रव्य माध्यम

- मुद्रित माध्यमों के अंतर्गत अखबार और पत्रिकाएँ आती हैं।
- रेडियो और टेपरिकार्डर श्रव्य माध्यम हैं।
- टेलीविज़न दृश्य-श्रव्य माध्यम हैं।
- इंटरनेट मुद्रित, श्रव्य और दृश्य-श्रव्य माध्यम का मिला-जुला रूप है।
- अखबारों में हर दिन नए समाचार होते हैं इसलिए इनकी आयु एक दिन की होती है जबकि पत्रिकाएँ सावधिक होती हैं और इनमें मुख्य रूप से समाचारों के विश्लेषण छपते हैं इसलिए इनकी आयु अखबारों की अपेक्षा अधिक होती है।
- श्रव्य और दृश्य-श्रव्य माध्यमों की सूचनाएँ-कार्यक्रमों का प्रसारण निश्चित अवधि में होता है इसलिए इनके प्रसारण का लाभ उठाने के लिए उस समय का ध्यान रखना आवश्यक होता है।
- अखबारों-पत्रिकाओं की सूचनाओं-समाचारों को काट कर सहेज कर रखा जा सकता है जबकि रेडियो या टेलीविज़न के कार्यक्रमों को ऐसा कर पाना कठिन है।
- मोबाइल और इंटरनेट सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान और संकलन के मामले में सबसे तेज़ संचार माध्यम हैं।

अपना मूल्यांकन कीजिए

1. वैज्ञानिक दृष्टि और अंधविश्वास में क्या अंतर है? अपने जीवन से एक उदाहरण लेकर स्पष्ट कीजिए।

2. वैज्ञानिक दृष्टि के महत्त्व और जीवन में उपयोगिता को उदाहरण सहित प्रस्तुत कीजिए।

3. वैज्ञानिक विकास की प्रक्रिया के बारे में अपने विचार प्रस्तुत करते हुए दो उदाहरण लिखिए।